PAGE NO. :
DATE : / /

भाषा कौशल

- दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले दो-दो शब्द लिखो-

पथ - मार्ग, रास्ता
जल - नीर, पानी
दृग - नैत्र, नयन
जननी - माता, माँ
नर - पुरुष, मर्द

- निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो-

कायर - साहसी
उजियारा - अँधियारा
बड़े - छोटे
विपत्ति - संपत्ति
गुण - अवगुण
भीतर - बाहर

वर्ण विच्छेद करो-

विचलित - व् + इ + च् + अ + ल् + इ + त् + अ
आदमी - आ + द् + अ + म् + ई
धीरज - ध् + ई + र् + अ + ज् + अ
पत्थर - प् + अ + त् + थ् + अ + र् + अ
रोशनी - र् + ओ + श् + अ + न् + ई

Scanned by CamScanner

• सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ -

(क) कायर का दिल विपत्ति [✓] संपत्ति [ ] देखकर घबराता है।
(ख) श्री रामधारी सिंह 'दिनकर' जी की रचनाओं में संस्कृति, राष्ट्र-प्रेम, करुणा, त्याग, प्रकृति-प्रेम का सुंदर [✓] बुरा [ ] चित्रण हुआ है।
(ग) रेणुका, हुंकार, कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, सामधेनी, उर्वशी, परशुराम की प्रतीक्षा, हरी को हरिनाम आदि श्री रामधारी सिंह 'दिनकर' की महत्वपूर्ण [✓] अपूर्ण [ ] कृतियाँ हैं।

• जोड़ी मिलाओ -

(क)	हमें घबराना नहीं चाहिए।	मुसीबत में
(ख)	बहादुर लोग रास्ता बना लेते हैं।	काँटों में भी
(ग)	यदि हिम्मत हो तो कोई भी कार्य नहीं है।	असंभव

• दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ -

सूरमा - सूरमा कभी कठिनाई से घबराते नहीं हैं।
मेंहदी - मेंहदी के भीतर लाल रंग छिपा होता है।
वर्तिका - वर्तिका जलाने पर प्रकाश होगा।
पत्थर - पत्थर भी बहादुर व्यक्ति के मार्ग में बाधक नहीं होता।
रोशनी - रोशनी तभी होगी जब बत्ती जलाई जाएगी।

Scanned by CamScanner

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो -

प्र.(क) विपत्ति आने पर बहादुर लोग क्या करते हैं?
उत्तर विपत्ति आने पर बहादुर लोग न तो विचलित होते हैं और न धैर्य खोते हैं।

प्र.(ख) पत्थर पानी कैसे बन जाता है?
उत्तर 'पत्थर पानी बन जाना' एक मुहावरा है, जिसका अर्थ है- 'कठिन काम का सरल हो जाना।' जब बहादुर व्यक्ति निडर होकर कोई कार्य प्रारंभ करता है तब पत्थर जैसे कठिन विघ्न भी पानी हो जाते हैं अर्थात कठिन से कठिन कार्य भी सरल हो जाता है।

प्र.(ग) मानव के भीतर गुण किस प्रकार छिपे रहते हैं?
उत्तर जिस प्रकार मेंहदी की हरी पत्तियों में लाली छिपी होती है और तेल या घी में डूबी हुई बत्ती में प्रकाश छिपा रहता है, उसी प्रकार मानव के भीतर गुण छिपे रहते हैं।

प्र.(घ) रोशनी किसे प्राप्त नहीं होती?
उत्तर जो कायर और अकर्मण्य होते हैं, उन्हें रोशनी प्राप्त नहीं होती है।

Scanned by CamScanner

पाठ - 1

काँटों में राह बनाते हैं

प्रश्न - उत्तर

सोचो और बताओ - (मौखिक)

प्र०(क) काँटों में राह कौन बनाता है?
उत्तर काँटों में राह बहादुर लोग बनाते हैं।

प्र०(ख) पर्वत के पाँव किस प्रकार उखड़ जाते हैं?
उत्तर जब मनुष्य निर्भय होकर ज़ोर लगाता है तब पर्वत के पाँव भी उखड़ जाते हैं।

प्र० (ग) 'बत्ती जो नहीं जलाता है, रोशनी नहीं वह पाता है।' भाव स्पष्ट करो।
उत्तर इसका अर्थ है कि जो बाती जलाएगा ही नहीं, उसको रोशनी कैसे मिलेगी? भाव यह है कि जो संदेह के भय से कार्य प्रारंभ ही नहीं करेगा, उसे कार्य में सफलता कैसे मिलेगी?

प्र० (घ) कविता में प्रयुक्त मुहावरों की सूची बनाओ।
उत्तर मुहावरों की सूची -
काँटों में राह बनाना, गले लगाना, पर्वत के पाँव उखड़ना, पत्थर पानी बन जाना, मेंहदी में लाली होना।

Scanned by CamScanner